

शाहजहांपुर में वायुसेना का युद्धाभ्यास, हवाई पट्टी पर गरजे लड़ाकू विमान, राफेल ने भरी उड़ान

गंगा एक्सप्रेसवे पर बनी हवाई पट्टी पर शुक्रवार को वायुसेना ने युद्धाभ्यास किया। राफेल, सुखाई और जगुआर जैसे लड़ाकू विमानों ने टचडाउन किया। जलालाबाद में बनाई गई हवाई पट्टी पर रात में भी लड़ाकू विमानों की लैंडिंग होगी।भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच गंगा एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार को वायुसेना ने शक्ति प्रदर्शन किया। शाहजहांपुर के जलालाबाद में बनाई गई हवाई पट्टी पर राफेल, जगुआर और सुखाई जैसे लड़ाकू विमानों ने टचडाउन किया। इससे पहले दोपहर करीब 12



बजकर 41 मिनट पर वायुसेना का 1-32 विमान आया। विमान ने करीब पांच मिनट तक चक्कर लगाए। इसके बाद हवाई पट्टी पर लैंडिंग की गई। करीब एक बजे यह विमान यहां से टेकऑफ कर गया। हवाई पट्टी पर वायुसेना के हेलिकॉप्टर भी उतरे। गंगा एक्सप्रेसवे पर करीब डेढ़ घंटे तक एयर शो हुआ। लड़ाकू विमानों ने हवा में कलाबाजियां कीं। यह देखकर वहां मौजूद स्कूली बच्चे व लोग रोमांचित हो गए। रात में भी हवाई पट्टी पर लड़ाकू विमान उतरेंगे। ऐसा पहली बार होगा, जब किसी एक्सप्रेसवे पर लड़ाकू विमानों की नाइट लैंडिंग भी होगी। इस दौरान कटरा-जलालाबाद हाईवे तीन घंटे तक पूरी तरह से बंद रहेगा। यह हवाई पट्टी क्यों है खास वायुसेना के एयर शो का उद्देश्य युद्ध या आपदा के समय इस एक्सप्रेसवे को वैकल्पिक रनवे के रूप में इस्तेमाल करना है। गंगा एक्सप्रेसवे पर बनी यह

देश की पहली ऐसी हवाई पट्टी है, जहां लड़ाकू विमान दिन व रात दोनों समय में लैंडिंग कर सकेंगे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से हवाई पट्टी के दोनों किनारों पर करीब 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।एयर शो को देखते हुए वायुसेना ने हवाई पट्टी को पहले ही अपने अधिकार क्षेत्र में ले लिया था। विमान लैंडिंग का आयोजन दिन और रात दोनों समय में इसलिए किया जाएगा, ताकि एयर स्ट्रिप की नाइट लैंडिंग कैपेबिलिटी का भी टेस्ट किया जा सके।मौसम बिगड़ने से हुई देरी हवाई पट्टी पर लड़ाकू विमानों की लैंडिंग से पहले शाहजहांपुर में आंधी के साथ बारिश हुई तो जलालाबाद में मौसम खुशगवार रहा। घने बदल मंडराते रहे और तेज हवा चलने से धूल के गुबार उठते रहे। मौसम बिगड़ने और बारिश की आशंका के चलते एकबारगी एयर शो और विमानों की लैंडिंग का कार्यक्रम स्थगित होने की भी

चर्चा रही लेकिन मौसम अनुकूल होने से लैंडिंग की तैयारियों को अंतिम रूप देने में पुलिस प्रशासन जुटा रहा। मौसम अनुकूल बनने पर एयर शो शुरू हुआ। अभ्यास में भाग लेने वाले प्रमुख फाइटर जेट्स-1.राफेल = आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम और लंबी दूरी की मेटेओर मिसाइल से लैस, यह विमान सभी मौसम में ऑपरेशन कीक्षमता रखता है। 2.एसयू-30 एमकेआई= भारत-रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित यह दिव्य-सीटर फाइटर लंबी दूरी तक स्ट्राइक करने में सक्षम है और ब्रह्मोस जैसी मिसाइलें लेकर उड़ान भर सकता है। 3. मिराज-2000= फ्रेंच मूल का यह विमान हाई-स्पीड डीप स्ट्राइक में दक्ष है और न्यूक्लियर कैपेबल है। 4. मिग-29= यह तेज गति, ऊंची उड़ान और राडार चक्रमा देने की क्षमता वाला लड़ाकू विमान है।5. जगुआर=

यह ग्राउंड अटैक और एंटी-शिप मिशन में प्रयोग होने वाला सटीक स्ट्राइक विमान है। 6. सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस= यह भारी ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट विशेष बलों की तैनाती, आपदा राहत और रेस्क्यू मिशन में प्रमुख भूमिका निभाता है। 7. एएन-32= ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सामान और जवानों की ढुलाई के लिए उपयुक्त ट्रांसपोर्ट विमान। 8. एमआई-17 वी 5 हेलिकॉप्टर = सर्च एंड रेस्क्यू, मेडिकल एवैक्युएशन और मानव सहायता कार्यों के लिए जरूरी बहुउद्देशीय हेलिकॉप्टर।जिले के 44 गांवों से गुजर रहा गंगा एक्सप्रेसवे शाहजहांपुर जिले में गंगा एक्सप्रेसवे 44 गांवों से गुजर रहा है। यहां इसकी लंबाई करीब 42 किमी है। अधिकतर स्थानों पर एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। जलालाबाद में पीरू गांव के पास 3.5 किमी लंबी हवाई पट्टी बनाई गई है, जिस पर रात में ही वायुसेना के लड़ाकू विमान उतर सकेंगे। 594 किमी लंबा है गंगा एक्सप्रेसवे - 594 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ एवं प्रयागराज तक बना है। बताया जा रहा है कि नवंबर को कार्य पूर्ण होने पर जनता के लिए गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

जय भोले- भक्ति गीतों की गूंज, श्रद्धालुओं को प्रसाद बांटते सीएम

शुक्रवार को सुबह सात बजे वृष लग्न में केदारनाथ मंदिर के कपाट भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिए गए। इस मौके पर हजारों श्रद्धालु कपाटोद्घाटन के पावन पल के साक्षी बने। मंदिर के कपाट खुलते ही केदारघाटी हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठी।ये चमक, ये दमक, फुलवान मा महक सब कुछ, सरकार, तुमही से है...मंदिर परिसर में मंत्रोच्चारण, ढोल नगाड़ों और भक्ति गीतों की गूंज के साथ शुक्रवार को केदारनाथ में अलौकिक सुबह हुई। श्रद्धालुओं के लिए केदारनाथ धाम के कपाट खोल दिए गए हैं। भक्ति, उल्लास और आस्था की तस्वीरें केदारनाथ की नजर आईं। कपाटोद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपनी पत्नी संग भी मौजूद रहे। कपाट खुलने के बाद उन्होंने यहां श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। केदारनाथ धाम के कपाट खुलते ही हेलिकॉप्टर से श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई। इस दौरान सीएम धामी ने कहा कि चार धाम यात्रा 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के अवसर पर शुरू हो गई है। आज से दो दिन बाद भगवान बद्रीनाथ विशाल के कपाट भी खुल जाएंगे और यात्रा पूरे जोर-शोर से शुरू हो जाएगी। यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित हो और उन्हें यात्रा के दौरान किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े और इसके लिए हमने उचित व्यवस्था की है।सीएम ने कहा कि श्री केदारनाथ धाम अपने संपूर्ण वैभव के साथ सज संवरकर तैयार हो चुका है।

आज का कार्यक्रम कई लोगों की नींद में खलल डालने वाला, मंच पर विजयन-थरूर से बोले मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को विज्ञानजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का उद्घाटन किया। यह बंदरगाह 8,867 करोड़ रुपये की लागत से बना है। बंदरगाह का उद्घाटन करने के बाद पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को विपक्षी गठबंधन इंडिया का स्तंभ। उन्होंने मंच पर मौजूद कांग्रेस सांसद शशि थरूर को भी संबोधित किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को केरल दौरे पर हैं। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री पिनरई विजयन और कांग्रेस सांसद शशि थरूर के साथ मंच साझा किया। उन्होंने विज्ञानजाम बंदरगाह के उद्घाटन समारोह में कहा, %में सीएम को बताना चाहता हूं कि आप INDI गठबंधन के मजबूत स्तंभ हैं। शशि थरूर भी यहां बैठे हैं। आज का कार्यक्रम कई लोगों की नींद में खलल डालने वाला है। हालांकि, उनके भाषण को स्थानीय भाषा में दोहराने वाले व्यक्ति ने इसका ठीक से अनुवाद नहीं किया। इससे प्रधानमंत्री को यह कहना पड़ा कि संदेश उन



तक पहुंच गया है, जिन्हें यह संदेश पहुंचाना था।इससे पहले उन्होंने केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में विज्ञानजम अंतरराष्ट्रीय गहरे पानी के बहुउद्देशीय बंदरगाह का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा कि यहां दुनिया के बड़े मालवाहक जहाज आसानी से आ सकेंगे। अभी तक भारत का 75 ट्रांसशिपमेंट देश के बाहर के पोर्ट्स पर होता था, इससे बहुत बड़ा नुकसान होता आया है। ये परिस्थिति अब बदलने जा रही है। अब देश का पैसा देश के काम आएगा। जो पैसा बाहर जाता था, अब वो केरल और विज्ञानजम के लोगों के लिए

नए अवसर लेकर आएगा।देश में विकास का ब्यौरा देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि नाविकों की संख्या के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल है। पिछले 10 वर्षों में हमारे बंदरगाहों की क्षमता दोगुनी हो गई है। उनकी दक्षता में सुधार हुआ है। वहां टर्नअराउंड समय में 30 प्रतिशत की कमी आई है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि बंदरगाह का निर्माण 8,800 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। निकट भविष्य में इसकी ट्रांसशिपमेंट हब क्षमता तीन गुनी हो जाएगी। केरल में इतना बड़ा बंदरगाह बनाया है, जबकि वे पश्चिमी भारतीय राज्य

से आते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के बंदरगाह मंत्री वीएन वासवन की ओर से अदाणी समूह यानी एक कॉर्पोरेट इकाई को कम्युनिस्ट सरकार के भागीदार के रूप में स्वीकार करना देश में हो रहे बदलावों को दिखाता है।तिरुवनंतपुरम जिले में स्थित बंदरगाह से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और शिपिंग में भारत की भूमिका बदलने की उम्मीद है। गहरे पानी के बंदरगाह को भारत के सबसे बड़े बंदरगाह डेवलपर और अदाणी समूह के अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (APSEZ) की ओर से सार्वजनिक-निजी



सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का वोट कम हो रहा है। जनता महंगाई और बेरोजगारी के सवाल उठा रही है। ऐसे में भाजपा नफरत की राजनीति कर रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार को आंबेडकर जी की प्रतिमा तोड़ने

वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा के लोग ही आंबेडकर की प्रतिमाएं तोड़ रहे हैं इसलिए वो कार्रवाई किस पर करें। यह जवाब उन्होंने प्रदेश के कई जिलों में आंबेडकर प्रतिमाएं तोड़े जाने के सवाल पर दिया। अखिलेश यादव

शुक्रवार को लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) ने भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति को खत्म कर दिया है। इसलिए अब भाजपा नफरती राजनीति पर उतर आई है। भाजपा का वोट कम हो रहा है। लोग महंगाई और बेरोजगारी के सवालों को उठा रहे हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि मदरसों को अवैध बताकर बंद किया जा रहा है। अगर वो अवैध हैं या अवैध जमीन पर बने हैं तो पहले क्यों नहीं रोका गया। अगर नक्शा पास नहीं करवाया गया तो उसकी भी व्यवस्था है लेकिन भाजपा अपने वोट बैंक को बचाने के लिए अब नफरत की राजनीति कर रही है।

मायावती बोलीं- बसपा ही ओबीसी की हितैषी, बहुजन कल्याण के लिए भाजपा-कांग्रेस पर भरोसा करना घातक

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि ओबीसी व दलित वर्ग को अपने कल्याण के लिए भाजपा व कांग्रेस पर भरोसा नहीं करना चाहिए। ये घातक हो सकता है। उन्होंने कहा कि बसपा ही इन वर्गों की सच्ची हितैषी है।बसपा सुप्रीमो मायावती ने



भागीदारी के तहत विकसित किया गया है। सफल परीक्षण के बाद बंदरगाह को पिछले साल 4 दिसंबर को अपना वाणिज्यिक कमिशनिंग प्रमाणपत्र मिला था।केरल की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 8,900 करोड़ रुपये की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने हजारों करोड़ की लागत से निर्मित विज्ञानजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट को राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भी मौजूद रहे। केरल सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड की ओर से सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत विकसित किया गया है। संबोधित करते हुए कहा कि यहां दुनिया के बड़े मालवाहक जहाज आसानी से आ सकेंगे। अभी तक भारत का 75 ट्रांसशिपमेंट देश के बाहर के पोर्ट्स पर होता था, इससे बहुत बड़ा नुकसान होता आया है।

कहा है कि ओबीसी समाज का हित बसपा में ही सुरक्षित है और बसपा ही ओबीसी समाज की सच्ची हितैषी है। बहुजनों को अपने हित व कल्याण के लिए भाजपा व कांग्रेस पर भरोसा करना घातक है। उन्होंने कहा कि काफी लम्बे समय तक ना-ना करने के बाद अब केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय जनगणना के साथ जातीय जनगणना भी कराने के निर्णय का भाजपा व कांग्रेस आदि द्वारा इसका श्रेय लेकर खुद को ओबीसी हितैषी सिद्ध करने की होड़ लगी है जबकि इनके बहुजन-विरोधी चरित्र के कारण ये समाज अभी भी पिछड़ा, शोषित व वंचित है।वैसे भी कांग्रेस एवं भाजपा आदि की अगर नीयत व नीति बहुजन समाज के प्रति पाक-साफ होती तो ओबीसी समाज देश के विकास में उचित भागीदार बन गया होता, जिससे इनके मसीहा परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर का आत्म-सम्मान व स्वाभिमान

का मिशन सफल होता हुआ जरूर दिखता। लेकिन बाबा साहेब एवं बसपा के अनवरत संघर्ष के कारण ओबीसी समाज आज जब काफी हद तक जागरूक है तो दलितों की तरह ओबीसी वोटों के लिए ललायित इन पार्टियों में इनका हितैषी दिखने की स्वार्थ व मजबूरी है, अर्थात् स्पष्ट है कि ओबीसी का हित बसपा में ही निहित है, अन्यत्र नहीं। अतः %वोट हमारा राज तुम्हारा-नहीं चलेगा% के मानवतावादी संघर्ष को सही व सार्थक बनाकर अपने पैरों पर खड़े होने का समय करीब है जिसके लिए कोताही व लापरवाही घातक तथा भाजपा व कांग्रेस आदि पार्टियों पर दलित, ओबीसी समेत बहुजन-हित, कल्याण व उत्थान हेतु भरोसा करना ठीक नहीं है। बता दें कि केंद्र की मोदी सरकार ने जाति जनगणना कराने की घोषणा कर दी है। इस मुद्दे का कांग्रेस सहित सभी दलों ने स्वागत किया है।

संपादकीय Editorial

Stoves of government hotels

The corporation which has written many successful pages of Himachal tourism has again started writing messages of its improvement. The last few years have written losses of tourism in the courtyard of priceless properties, so now again the effort is to write some songs of success. In this perspective, the need for efforts has reached from the purchase and sale of essential materials to the circle of improvement of the premises. HPTDC Chairman RS Bali is teaching the stoves of government hotels to work economically. The corporation which spends thirty-forty crores on direct purchases from the market in a year will now use materials worth up to twenty-five crores from the Civil Supplies Corporation. In this way, this agreement between the two corporations can become a resolution for a new economic relationship. It is also claimed that the scale of economy has taken the corporation's business from 78 to 107 crores. Applying the tilak of good news of claims, HPTDC is also focusing on ambitious projects of the future. There is no doubt that the corporation did the work of promoting tourism in Himachal at the first level, but now the properties have become old and the competition has become international. Earlier, the activities and expectations of tourism were also limited. Now the answer to the tourism experience is linked to the satisfaction that wants to see the corporation's hotels in a new avatar. Here, government hotels have somehow become the characters of the government's work culture. Surprisingly, the silence of tourism emerged even inside some heritage buildings, and the taste of the dishes came to a standstill. Initially, Himachal Tourism Corporation ran some cafes, but most of them became non-existent and were sold. Even today, the role of the Tourism Corporation has not been able to carve out its role in the boom in highway tourism. In the coming time, when tourists will write new stories on the four-lane or the perspective of seeing and experiencing Himachal will change, then the Tourism Corporation will have to be present on the new opportunity. In fact, the corporation's properties have lost their relevance in the increasing opportunities for tourism. Many efforts remained untouched. Cutlery, linen, interiors and furniture became old. To come out of its own burden, the Tourism Corporation will have to fulfill the search for new opportunities and tourists. New references of tourism will either be found in high-end tourism or will have to be carved on the destinations of young tourists. For example, if IPL matches are held in Dharamshala or it is the residence of His Excellency the Dalai Lama and the headquarters of the temporary government of Tibet, then the look and feel of the hotels of the corporation should be different in these three criteria. The biggest thing is whether the Tourism Development Corporation is taking the people coming from outside Himachal on a tour of the state. In search of this objective, the buses of the corporation became irrelevant while searching for passengers. If the packages of the Tourism Corporation are made in collaboration with airlines, railways and transport corporations, then it will be easy to choose a tourist from the crowd of passengers and satisfy him. For example, if Vande Bharat comes to Amb-Andaura or Pathankot, then Himachal Tourism Corporation will have to go along with it and make the further journey a tourist destination. Just as the Tourism and Civil Supplies Corporation are finding a common bridge of economy, in the same way, efforts will have to be made to make it a shared heritage of tourism by joining hands with Transport Corporation, HPMC, Milk Federation, Handloom Corporation and Temple Trusts to make it. a common heritage of tourism as per the standards of their capacity. To bring the Tourism Corporation at the centre of the entire tourism business, partners should also be made from the private sector. At least by becoming the main source of Himachal's tourism marketing, the corporation will have to create such a blueprint **to** increase the stay of tourists

Decision to count caste, caste census should help in the upliftment of the deprived and backward

Caste census Modi government has taken a historic decision to conduct caste census. This decision will have a profound impact on Indian politics and society. Caste census will help in the upliftment of the deprived and backward, but if it is used for caste politics, then the unity of the country will be affected. Ultimately, the Modi government reached the conclusion that caste census should be conducted. This is a decision that will have a wide impact on Indian politics and society. Before this, caste census was conducted in 1931 i.e. in undivided India by the British rule. In 2011, the Manmohan government did conduct caste-wise census, but so many complexities were found in it that its figures were not made public. After this, some states conducted surveys to count castes, because only the Center has the right to conduct census. Although the BJP supported the caste-based survey in Bihar, it was not vocal about caste census. The RSS definitely supported it. Then the Congress and some regional parties were engaged in insisting on caste-based census. Rahul Gandhi was giving the most emphasis, while from Nehru to Narasimha Rao, no one felt the need for it. It is certain that while the Congress and other opposition parties will take credit for the decision to conduct caste census, the BJP will call it its initiative focused on social justice. The question is whether caste-based census will help in social justice or open new doors for casteist politics? A lot of this will depend on how the data of caste census is used. Since caste is a reality of Indian politics, it seems theoretically appropriate that when castes become a basis for the implementation of social welfare schemes, then there should be clear data on how many people belong to which caste and what is their socio-economic status. Till now, Scheduled Castes and Tribes were counted, but not Other Backward Classes i.e. OBCs. Now all castes will be counted. This count should also be done in Muslims, Christians and other communities, because no matter what anyone claims, caste and discrimination based on it is everywhere. Even more important, rather imperative, is that caste census should not become a weapon of caste politics and it should not divide the Indian society. There should be some concrete measures to remove this apprehension that caste based census should not become the reason for caste division. This apprehension is because it is not hidden from anyone that many political parties openly do caste politics. They are not only known for leading certain castes, but also claim so. Caste based census has its advantages as well as disadvantages. There is nothing better than caste census helping in the upliftment of the deprived and backward, but if it gives strength to division and affects the unity of the country, then nothing can be more unfortunate than this.

Western media again showed its prejudice, Jihadi terrorists killed people in Pahalgam after asking their religion

Western media again showed its prejudice. In the terrorist attack in Pahalgam, Jihadis killed people on the basis of their religion but Western media tried to hide this fact. In this article, senior journalist Umesh Chaturvedi analyzes this prejudice of Western media and explains how they try to create a negative narrative towards India. Western media's thinking about India is still full of racial thoughts and prejudices. The language of reporting of BBC, CNN, New York Times, Washington Post, The Guardian shows that they are still suffering from colonial mentality. To understand the prejudice of Western media, the reporting of Pahalgam terrorist attack can be seen. Relatives of the tourists killed in this attack are clearly saying that Jihadis killed them after asking their names and demanding them to recite Kalma. There has been a tradition in journalism to verify news from secondary sources. The relatives of the dead are secondary sources of this barbaric incident. The special thing is that the terrorists wreaked havoc in front of their eyes. In such a situation, their words should have been given importance, but the western media, which claims to be neutral and discharge the duty of journalism, showed extreme prejudice by ignoring its own journalistic ideology. The British newspaper 'The Guardian' wrote the terrorists as 'suspected terrorists'. A fact which has no evidence is doubtful. Is there still any doubt on those who shed the blood of innocents in Kashmir? Some western news media wrote that gunmen killed 24 people in 'Indian Kashmir'. The question is why is it necessary to write Indian for Kashmir? Actually they had to show that it is a disputed area between India and Pakistan. When the movement for Ram Janmabhoomi was going on in Ayodhya, the BBC started calling the agitators Hindu extremists. In this way it kept defaming the movement. The BBC sees every Indian incident through communal glasses. Whether it was the atmosphere against the Citizenship Amendment Act or the opposition to the Triple Talaq law, the tone of its reporting remained anti-Hindutva. Then Home Minister Amit Shah also raised questions on this reporting. BBC gave such a mischievous headline on the terrorist incident of Pahalgam that it became difficult to understand whether the victim is India or Pakistan? News channel CNN used the word gunmen for terrorists. In the eyes of some western publications, terrorists are actually rebels. The New York Times wrote that militants killed people in Kashmir. Irritated by this act, the American Foreign Committee crossed out the word militants and wrote terrorist in its place in a post and said, 'This was clearly a terrorist attack. We have corrected your heading, because when it comes to terrorism, you are miles away from the truth.' In the eyes of the western media, the attack in Kashmir is not a terrorist attack, but an act of rebels and extremists. It is well known that Hindus were specifically targeted in the attack, yet the western media ignored this fact. Western media either does not report Indian issues or gives it less importance. The Pahalgam massacre did not find a place on the front page of major Western newspapers. This horrific incident was dealt with in a casual manner in the form of small news. There was no mention in these reports that this massacre was done on the basis of religious identity. The most shocking report was that of Al Jazeera, which was once called the mouthpiece of Al Qaeda. It wrote that the new front formed by the local people who want freedom in Kashmir has carried out this incident. Al Jazeera also wrote that the people who died were high profile government employees, who had come to Kashmir on some mission and this local organization got the information about it, due to which these murders were carried out. Western media claims that it is not biased and biased, but its reporting of the terrorist incident of Pahalgam once again proved that it is so. The proof of this is also that when any terrorist incident takes place in the West, it uses the word terrorist for the terrorists. The bias of the Western media towards India is not new. It creates a narrative of its own agenda on Indian issues. With the help of this narrative, a section of India also promotes its views. The effect of this narrative is that in the eyes of the leftist ideology, there is no terrorism in the Kashmir valley, but a fight for rights is going on there. Till the time the internet media did not exist, questions were not raised on the Western media, but now its hypocrisy has started being challenged in the Western countries itself. Some agencies and publications doing biased reporting have been banned from entering the White House. The question arises whether the time has come to treat the biased media, which is constantly doing biased reporting, in the same way as Trump is doing. The question is also whether our love for the West will be curbed after watching and reading such reporting of the biased media? Along with the policy makers, the entire country will have to think about this.

Retaliation for Pahalgam should be a priority, now is the time to give a reply to Pakistan

Pakistan's conspiracy behind the terrorist attack on Hindu tourists in Pahalgam has been exposed. Pakistani Army Chief General Asim Munir had laid the foundation of this attack by calling Hindus and Muslims two different communities. After this attack on Hindus for the first time in Kashmir, peace marches were taken out in the valley and the shutdown continued. India should give a befitting reply to this act of Pakistan. The massacre of Hindu tourists in Pahalgam is a part of the Pakistani Army's conspiracy to divide India once again between Hindus and Muslims. This was indicated by Pakistani Army Chief General Asim Munir in a speech on April 16 by calling Hindus and Muslims two different communities in every aspect. He repeated the same thing in the parade of the Pakistani Military Academy last Saturday. We all know that the building of Pakistan was built on the foundation of this idea. Even if this terrorist attack is considered a divisive conspiracy of the Pakistani Army, its biggest failure occurred at the same place which it made a launch pad. This is the first time in the last 35 years that a Jihadi attack on Hindus in the Kashmir Valley has been condemned from mosques, peace marches have been taken out and the valley has been shut down. General Munir's two-nation theory is not new. This has been the main basis of Pakistan's claim on Kashmir. After the abrogation of Article 370 and its total failure to mobilize world public opinion and Muslim public opinion against it, Pakistan is in a state of despair. Therefore, it is also possible that General Munir had the audacity of General Musharraf in mind to raise the Kashmir issue on the world stage. Musharraf had carried out the Chhattisinghpura terrorist attack during President Clinton's visit to India. The time chosen for the Pahalgam terrorist attack was also when Vice President JD Vance was on a visit to India, but even here General Munir's plans were not fulfilled. Both President Trump and Vice President Vance condemned the attack, calling it a terrorist attack and assured India of full support. The jihadi terrorist organization Resistance Front or TRF of enslaved Jammu and Kashmir initially claimed responsibility for the attack, but backed out after mounting pressure. Now, Pakistan, living up to the saying 'a thief's beard is a straw', is offering to help in getting it investigated impartially by an external agency. India need not fall for this offer. By making this demand, Pakistan wants to show the world that it has no hand in the attack. The people of India would really like to know with whose permission the inaccessible Baisaran Valley, which was to be opened for tourists in June, was opened in April and why there was no police and army security there, given the inaccessibility of the valley? Another big question is why none of the horsemen and vendors who took two thousand tourists and sold goods made videos of the terrorists with their phones? If such a well-planned attack could not have happened without the connivance of the local people, then why did the intelligence system not get a clue about it? Why all this happened, how it happened and due to whose mistake it happened, there should be a thorough investigation and the culprits should be punished, but only after retaliating to Pakistan's actions. There is a time for everything. Now is the time to respond to Pakistan. It never happens anywhere that people start demanding resignation from the army and the government before retaliating to an attack. This did not happen after the Hamas attack in Israel or after the Al Qaeda attacks in America. It did not happen in Britain or France. The whole country unitedly supports retaliation first. After the action **is over**

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगेडी की पुलिस, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पुलिस की बर्बरता पूर्ण मार से तंग आकर 18 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त की

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली थाना भुता क्षेत्र के गांव म्यूंडी खुर्द में कल पुलिस की बर्बरता पूर्ण मार से तंग आकर 18 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त की। घटना की जानकारी मिलते ही पैनी नजर सामाजिक संस्था की अध्यक्ष व आम आदमी पार्टी ने पीड़ित परिवार से मिलकर पुलिस के अत्याचार की लड़की को गायब करने का आरोप लड़की के परिवार है हेतु कई बार युवक को थाने बुलाकर बेरहमी से इतना मारा के उसके शरीर के पीछे वाला भाग पूरा आकर युवक ने इस रात घर में फांसी पर झूल कर गंगवार ने घटना की पूरी जानकारी करने पर कहां आरोप लगाया है वह लड़का अपने घर पर था अपने परिवार का पेट पाल रहा था पिता अपाहिज जो काम के कमाने का एकमात्र सहारा था। कुलडिया थाने से वह लड़का उसका परिवार कहता रहा मैं उस लड़की है मगर उसकी बात किसी ने नहीं सुनी। सुनीता सारी घटनाएं आए दिन घट रही हैं जिसमें कम उम्र लड़कों से फोन पर काटेक्ट बनाए रखने के तहत घर को टारगेट करके लड़कों का उत्पीड़न किया जा रहा है उसी के चलते यह घटना एक गंभीर रूप लेकर समाज के मुंह पर तमाचा है। लड़कियों को भागने से रोकने में अक्षम माता-पिता लड़कों का उत्पीड़न करवाते हैं। यह सोचने का विषय है कानून व्यवस्था के असफलता है के निर्दोष लोग अक्सर पकड़े जाते हैं। संस्था अध्यक्ष ने कहा पुलिस को इस बर्बरता की कानून में कहीं पर भी इजाजत नहीं है लेकिन पुलिस की बर्बरता की अक्सर सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रही है जिससे लगता है कि प्रदेश में कानून का नहीं बर्बरता का जंगल राज है संस्था अध्यक्ष ने कहा ऐसे पुलिस कर्मों को बचाने के लिए विभाग पूरा प्रयास करता है मगर इससे कानून के प्रति लोगों का विश्वास उठ जाता है जब रक्षक ही भक्षक बन जाएंगे तो जनता किसके पास न्याय मांगने जाएगी ऐसे अधिकारियों को भाषण नहीं जाना चाहिए इसके लिए संस्था ग्रामीणों के साथ आंदोलन के लिए बाध्य होगी पुलिस के आल्हा अधिकारी ऐसे बार-बार पुलिस कर्मों को सक्षम धाराओं के अंतर्गत कार्यवाही कर जेल की सलाखों के पीछे भेजना चाहिए जो कानून जनता के लिए है वही कानून जनता के रक्षों के लिए भी है। इस संबंध में संस्था अध्यक्ष एडवोकेट सुनीता गंगवार वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक बरेली को सोमवार को प्रार्थना पत्र दोषी पुलिसकर्मों के खिलाफ कार्रवाई करने हेतु सौंपेगे।



रोहिलखंड प्रांत की उपाध्यक्ष एडवोकेट सुनीता गंगवार पूरी घटना की जानकारी प्राप्त की। 18 वर्षीय युवक पर वालों ने लगाया था जिसकी चलते पुलिस ने पूछताछ मारा। घटना की रात वाले दिन युवक को थाने बुलाकर नीला पड़ चुका था शर्मिंदगी और बर्बरता से तंग अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। एडवोकेट सुनीता लड़की चार महीने से घर से गायब है जिस लड़के पर घर पर लगातार रह रहा है और सिलाई करके अपने नहीं कर सकते 6 बहनों का भाई बूढ़ी दादी मां सभी द्वारा लगातार उसे लड़के का उत्पीड़न जारी रहा जबकि को जनता तक नहीं मुझ पर झूठ आरोप लगाया गया गंगवार ने कहा आज समाज में इस तरह की बहुत की लड़कियां खराब चाल चलन के चलते तमाम से भाग जाती हैं और परिवार किसी न किसी लड़के को उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा कि एक देश एक चुनाव की व्यवस्था देश में लागू ही होनी चाहिए। यह जनता के हित में है। 1970 से जब से यह क्रम बिगड़ा है तब की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा कि एक देश एक जनता के हित में है। 1970 से जब से यह क्रम बिगड़ा है इस मुद्दे पर डिजिटल संगोष्ठी के माध्यम से लोगों की सभागार सिविल लाइंस परिसर में यूथ फॉर वन नेशन करने पहुंची थीं। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले पर आतंकवाद किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं करेंगे। अपर्णा से कुछ नहीं होता। जो करके दिखाता है उसी को माना घोषणा करके ऐतिहासिक कार्य किया है। पीएम ने कई मोदी हमेशा राष्ट्रीय मुद्दों पर सोचते हैं और चिंतन करते करने वालों को शर्म आनी चाहिए। जो इस समय भी सकती है। कम से कम संवेदनशील मुद्दों पर सभी को लोगो की हत्या करना बेहद निंदनीय है।

अपर्णा यादव ने कहा : पहलगाम आतंकी हमले पर राजनीति करना घटिया मानसिकता का परिचायक , एक देश एक चुनाव समय की मांग

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा कि एक देश एक चुनाव की व्यवस्था देश में लागू ही होनी चाहिए। यह तब से सुधर नहीं पाया है।उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग चुनाव की व्यवस्था देश में लागू ही होनी चाहिए। यह तब से सुधर नहीं पाया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को राय लेनी चाहिए। अपर्णा यादव शुक्रवार को वात्सल्य वन इलेक्शन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत राजनीति करने पर कहा कि यह बेहद शर्मनाक है। हम यादव ने कहा कि जातिगत जनगणना पर किसी के कहने जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जातिगत जनगणना की सभाओं ने जातिगत जनगणना को लेकर बात की थी। हैं।कहा कि पहलगाम में आतंकी हमले पर राजनीति राजनीति कर रहा है इससे बड़े शर्म की बात और क्या हो एकजुट रहना चाहिए। कहा कि हम किसी भी दशा में आतंकवाद बर्दाश्त नहीं करेंगे यह बात गृहमंत्री अमित शाह ने भी कही है। धर्म पूछकर लोगों की हत्या करना बेहद निंदनीय है।



मंडल में वायुसेना का युद्धाभ्यास, गंगा एक्सप्रेसवे पर एयर शो; हवाई पट्टी पर उतरा AN-32 विमान

क्यूँ न लिखूँ सच –ब्यूरोचीफ

बरेली । मंडल के शाहजहांपुर जलालाबाद में आज शुक्रवार को वायुसेना शक्ति प्रदर्शन किया गया। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच गंगा एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार को वायुसेना शक्ति प्रदर्शन शाहजहांपुर के जलालाबाद में बनाई गई हवाई पट्टी पर दोपहर करीब 12 बजकर 41 मिनट पर वायुसेना का L-32 विमान आया। विमान ने करीब पांच मिनट तक चक्कर लगाए। इसके बाद हवाई पट्टी पर लैंडिंग की गई।करीब एक बजे यह विमान यहां से टेकऑफ कर गया। इसके बाद हरक्यूलिस विमान ने टच डाउन किया। हवाई पट्टी पर सुखोई और जगुआर जैसे लड़ाकू विमान भी गरजे। लड़ाकू विमानों को देख वहां मौजूद लोग रोमांचित हो गए। रात में भी हवाई पट्टी पर लड़ाकू विमान उतरेंगे। ऐसा पहली बार होगा, जब किसी एक्सप्रेसवे पर लड़ाकू विमानों की नाइट लैंडिंग भी होगी। इस दौरान कटरा-जलालाबाद हाईवे तीन घंटे तक पूरी तरह से बंद रहा। इस हवाई पट्टी की ये है खासियत वायुसेना के एयर शो का उद्देश्य युद्ध या आपदा के समय इस एक्सप्रेसवे को वैकल्पिक रनवे के रूप में इस्तेमाल करना है। गंगा एक्सप्रेसवे पर बनी यह देश की पहली ऐसी हवाई पट्टी है, जहां लड़ाकू



विमान दिन व रात दोनों समय में लैंडिंग कर सकेंगे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से हवाई पट्टी के दोनों किनारों पर करीब 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।एयर शो को देखते हुए वायुसेना ने हवाई पट्टी को पहले ही अपने अधिकार क्षेत्र में ले लिया था। विमान लैंडिंग का आयोजन दिन और रात दोनों समय में इसलिए किया जाएगा, ताकि एयर स्ट्रिप की नाइट लैंडिंग कैपेबिलिटी का भी टेस्ट किया जा सके। मौसम बिगड़ने से हुई देरी हवाई पट्टी पर लड़ाकू विमानों की लैंडिंग से पहले शाहजहांपुर में आंधी के साथ बारिश हुई तो जलालाबाद में मौसम खुशगवार रहा। घने बदल मंडराते रहे और तेज हवा चलने से धूल के गुबार उठते रहे। मौसम बिगड़ने और बारिश की आशंका के चलते एकबारगी एयर शो और विमानों की लैंडिंग का कार्यक्रम स्थगित होने की भी चर्चा रही लेकिन मौसम अनुकूल होने से लैंडिंग की तैयारियों को अंतिम रूप देने में पुलिस प्रशासन जुटा रहा। मौसम अनुकूल बनने पर एयर शो शुरू हुआ। अभ्यास में भाग लेने वाले प्रमुख फाइटर जेट्स जिले के 44 गांवों से गुजर रहा गंगा एक्सप्रेसवे शाहजहांपुर जिले में गंगा एक्सप्रेसवे 44 गांवों से गुजर रहा है। यहां इसकी लंबाई करीब 42 किमी है। अधिकतर स्थानों पर एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। जलालाबाद में पीरू गांव के पास 3.5 किमी लंबी हवाई पट्टी बनाई गई है, जिस पर रात में ही वायुसेना के लड़ाकू विमान उतर सकेंगे 594 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदरगं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ एवं प्रयागराज तक बना है। बताया जा रहा है कि नवंबर

क्यूँ न लिखूँ सच – प्रत्यूष मिश्रा

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में वर्ष 1951 में 19 बीघा जमीन पर सिविल लाइंस में स्थापित सबसे पुराना मूक बधिर विद्यालय में वर्तमान सत्र में लगभग120 बच्चों के पंजीकरण के बाबजूद आजकल शिक्षकों की कमी से विद्यालय जूझ रहा है। लगभग 120 बच्चों पर वर्तमान में दो स्थाई एवं पार्टटाइम शिक्षक ही हैं। वर्तमान में 11 शिक्षकों की जगह अब केवल एक ही महिला शिक्षक श्रीमती शिवी अग्रवाल और प्रधानाचार्य बलवंत सिंह ही कार्यरत हैं। दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग के अधीन आने वाले बरेली के इस संकेत विद्यालय में वर्तमान में 11 शिक्षकों के सापेक्ष अब एक ही महिला शिक्षक शिवी अग्रवाल और प्रधानाचार्य बलवंत सिंह कार्यरत हैं। इस सत्र के लिए एक शिक्षक की अस्थायी व्यवस्था वेसिक शिक्षा विभाग से बरेली के जलालाधिकारी द्वारा की गई है । जिसमें संजीव कुमार तीन दिन एवं रूप वसन्त मौर्य तीन दिन संकेत में आकर अस्थायी रूप से शिक्षण कार्य करेंगे। जबकि 11 अन्य कर्मों आउट सोर्स से ऑफिस कर्मों, सहायक, सफाई, माली, रसोईकर्मों रखे गए हैं। स्मरण रहे कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार में दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग के मंत्री नरेंद्र कश्यप बरेली जिले के भी प्रभारी मंत्री भी हैं। उनका कई बार इस संकेत विद्यालय में भ्रमण का कार्यक्रम भी बना पर किसी न किसी कारण उनका भ्रमण टल ही गया जो उनकी दिव्यांग बच्चों के प्रति उदासीनता ही दर्शाता है। बरेली के संकेत विद्यालय परिसर में ही 120 बच्चों की क्षमता वाला छात्रावास भी है। छात्रावास में लगभग 50 बच्चे रह रहे हैं जिनको सरकार की और से प्रति बच्चा 2 हजार रूपए प्रतिमाह भोजन, नाश्ता, ड्रेस आदि के लिए मिलता है । पठन सामग्री निशुल्क ही मिलती है। विद्यालय में खेलकूद के लिए समुचित सामान तथा मैदान एवं पुस्तकालय की व्यवस्था भी है। विद्यालय में कम्प्यूटर की लैब भी है। विद्यालय परिसर में बड़ी संख्या में फलदार वृक्ष एवं फूलो बाले पौधे लगे हुए है जो विद्यालय परिसर की सुन्दरता को बढ़ाते हैं। यह विद्यालय मूक-बधिर बच्चों को शिक्षा प्रदान करने हेतु संचालित किया जा रहा है। यहां 6 वर्ष या उससे अधिक आयु के मूक- बधिर बच्चे प्रवेश ले सकते हैं। इन बच्चों को कक्षा आठ तक की शिक्षा एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण की व्यवस्था विद्यालय में ही है। बरेली एवं आस- पास के बच्चों के प्रवेश लिए आते हैं। इन मूक बधिर बच्चों को हॉट पाठन एवं वाणी वाचन के द्वारा पढ़ना- लिखना सिखाया जाता है। हिन्दी, अंग्रेजी, गणित कंप्यूटर एवं अन्य सभी वर्गों की शिक्षा छात्रों को दी जाती है। इसके साथ ही संकेत के छात्र- छात्राओं को तीन दिन का व्यवसायिक शिक्षा के अन्तर्गत सिलाई कटिंग का शिक्षण एक संस्था सी यू जी एल द्वारा15 सिलाई मशीन लगवा कर दे रही है । वर्ष 2013 से काष्ठ कला बेंत फर्नीचर आदि सभी प्रशिक्षण स्थाई रूप से बंद कर दिए गए थे। संकेत में जिन छात्रों में औसत श्रवण शक्ति होती है। उन्हें श्रुति श्रवण का प्रशिक्षण देकर उनके श्रवण शक्ति का उपयोग करने की शिक्षा मिलती है। प्रदेश सरकार द्वारा निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का भी प्रावधान है जो बालक- बालिकाएं सुन या बोल नहीं पाते हैं। वे इस संकेत विद्यालय में प्रवेश पाते हैं । संकेत विद्यालय में प्रत्येक वर्ष पहली अप्रैल से प्रवेश प्रारम्भ हो जाते हैं जो सत्र 31 मार्च को समाप्त होता है। छात्रों के प्रवेश के लिए जाति, पंथ, धर्म, संप्रदाय का कोई प्रतिबांध नहीं है।



प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बी 0पी 0सी 0एल 0 ने प्राथमिक विद्यालय में आर0 ओ0 दान किया

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। प्राथमिक विद्यालय भितौरा में मकीन एनर्जी बी0 पी0 सी0 एल0 पर साखेड़ा के प्लॉट मैनेजर गौरव कुमार ने दो सौ लीटर का आर0ओ0 भेंट किया । कार्यक्रम का उदघाटन विधायक डॉ डी0सी0वर्मा ने फीता काटकर किया। विधायक ने इस पुनीत कार्य के लिए संस्था के मैनेजर की तारीफ की तथा अन्य विद्यालय को भी दान करने के लिए कहा। विद्यालय में नवीन नामांकित बच्चों को अपनी तरफ से बैग का वितरण विधायक ने किया। बैग पाकर बच्चे बहुत खुश हुए। प्रधानाध्यापिका ने विद्यालय प्रांगण में इंटरलॉकिंग एवम् बाउंड्री वॉल की मांग विधायक से की जिसका उन्होंने पूरा आश्वासन दिया। इस मौके पर रामलीला कमेटी के चेयरमैन उर्वेद्र चौहान,वार्ड सभासद अबोध सिंह , राहुल पांडे तथा विद्यालय परिवार की तरफ से आभा रानी आर्य प्रधानाचार्या हरप्रोत कौर,शिखा मिश्रा, नीतू शर्मा का विशेष योगदान रहा।

जनपद में हुआ आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का चयन

क्यूँ न लिखूँ सच

जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रमोद कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री के 459 पदों पर चयन हेतु 14.03.2024 को विज्ञापन जारी किया था जिसकी अन्तिम तिथि 24.04.2024 थी उपर्युक्त पदों पर विकास खण्ड उसावां में 36 पदों के सापेक्ष 29 पदों पर अन्तिम चयन हुआ है, दातागंज में विज्ञापित 19 पदों के सापेक्ष 15 पदों पर अन्तिम चयन हुआ है, समरौर में विज्ञापित 24 पदों के सापेक्ष 22 पदों पर अन्तिम चयन हुआ है म्याऊँ में विज्ञापित 43 पदों के सापेक्ष 25 पदों पर अन्तिम चयन हुआ है, जगत में विज्ञापित 18 पदों के सापेक्ष 13 पदों पर अन्तिम चयन हुआ है, उझानी में विज्ञापित 17 पदों के सापेक्ष 15 पदों पर अन्तिम चयन हुआ है, वजीरगंज में दिज्ञापित 33 पदों के सापेक्ष 20 पदों पर अन्तिम चयन हुआ है कादरचौक में विज्ञापित 18 पदों के सापेक्ष 12 पदों पर अन्तिम चयन हुआ है, अम्बियापुर में विज्ञापित 25 पदों के सापेक्ष 22 पदों पर अन्तिम चयन हुआ है, दहगवां में विज्ञापित 33 पदों के सापेक्ष 29 पदों पर अन्तिम चयन हुआ है और इस्लामनगर में विज्ञापित 23 पदों के सापेक्ष 16 पदों पर अन्तिम चयन हुआ है। उपर्युक्त परिणाम अन्तिम रूप से चयनित आवेदकों के पूर्ण विवरण एवं चयन का आधार आदि सहित जनपद बदायूँ के एन0आई0सी0 वेबसाइट <https://budaun.nic.in/> पर जारी है जिसे इच्छुक द्वारा देखा जा सकता है।

25 हजार का इनामी लईक कालिया मुठभेड़ में गिरफ्तार, बदमाश के पैर में लगी गोली, दो पुलिसकर्मों भी घायल

क्यूँ न लिखूँ सच –ब्यूरोचीफ

बरेली। भोजीपुरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने शुक्रवार सुबह गांव फरीदापुर जागीर के खेत में पशु तस्करों को घेर लिया। पशु तस्करों ने फायरिंग की तो जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस के मुताबिक मुठभेड़ में 25 हजार रुपये का इनामी पशु तस्कर लईक उर्फ कालिया दाहिने पैर में गोली लगने से घायल हो गया। कालिया भोजीपुरा के ही अलीनगर गांव का निवासी है और काफी समय से गोकशी के मामलों में वांछित था। पुलिस ने घायल अवस्था में उसे गिरफ्तार किया तो उसके कब्जे से एक तमंचा, एक खोखा व चार कारतूस बरामद हुए। साथ ही पशु कटान के औजार, रस्सी व एक बाइक भी मिली जिस पर कोई नंबर नहीं था। दूसरा आरोपी सलीम उर्फ कालिया पुत्र बड़े लल्ला निवासी गांव भूछा थाना भोजीपुरा मौके से भाग गया। एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने आरोपी लईक की गिरफ्तारी के बाद वीडियो बयान जारी कर बताया कि लईक पर पहले से आठ मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें से सात गोकशी व एक मुकदमा गैंगस्टर अधिनियम का पंजीकृत है। बताया कि पशु तस्करों की फायरिंग से दरोगा संजय सिंह व कांस्टेबल विकास कुमार भी घायल हुए हैं। सभी घायलों को सीएचसी भोजीपुरा भेजा गया है।

फर्जी एप पर दो करोड़ के बन गए 498 करोड़, हकीकत में लुटते रहे नौसेना के रिटायर्ड अफसर, ऐसे बनाया शिकार

थाना कोतवाली देहात क्षेत्र निवासी व्यक्ति ने भारतीय नौसेना में 35 साल तक नौकरी की। मेहनत से जोड़ी पाई-पाई साइबर ठगों ने ठगी ही। जब एप पर मोटा मुनाफा दिखा तो 50 लाख रुपये लोन लेकर भी लगा दिए। अब साइबर पुलिस जांच कर रही है। भारतीय नौसेना से सेवानिवृत्त अफसर से साइबर ठगों ने दो करोड़ दस लाख की ठगी कर ली। ठगों ने एक फर्जी शेयर मार्केट एप पर उसके दो करोड़ को 498 करोड़ दिखा दिया। जब पैसा निकालने के बारी आई तो ठगी का पता चला। साइबर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। उधर रिटायर अफसर ठगी होने के बाद से सदमे में पहुंच गए हैं।थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने भारतीय नौसेना में 35 सालों तक नौकरी की। अब रिटायर होने के बाद से गांव में रहने लगे, जबकि उनका बेटा भारतीय सेना के मेडिकल कॉलेज पुणे से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है।आठ मार्च को रिटायर अफसर को एक व्हॉट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया। इस ग्रुप में एडमिन ने शेयर मार्केट में पैसा लगाने और मुनाफा कमाने की बात कही। इसके बाद एक लिंक भेजकर एप को डाउनलोड कराया गया। एप के माध्यम से शेयर ट्रेडिंग शुरू दी। इसके बाद पीड़ित ने झांसे में आने की वजह से बिजनौर स्थित बैंक शाखा के खाते से 10 मार्च से 23 अप्रैल तक 51 ट्रांजेक्शन में 84 लाख 90 हजार रुपये भेज दिए। इसके अलावा पीड़ित ने दूसरे बैंक खाते से एक करोड़ 23 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। कुल मिलाकर दो करोड़ दस लाख रुपये साइबर ठगों के बताए गए 17 खातों में भेज दिए। इतना ही नहीं, जब बचत का पैसा खत्म हो गया तो पीड़ित ने अपनी पेंशन पर 50 लाख रुपये का लोन भी ले लिया था। केरल और उड़ीसा तक गया ठगी का पैसा- पुलिस की शुरुआती जांच में साफ हो गया है कि पीड़ित ने केरल, उड़ीसा, राजस्थान, महाराष्ट्र आदि राज्यों में स्थित बैंक के खातों में पैसा भेजा है। अब पुलिस ने उक्त खातों की जांच शुरू कर दी है।फर्जी एप दिखाता रहा 498 करोड़ का मुनाफा- बताया गया कि जिस एप के जरिए ठगी की गई है, उस एप पर पीड़ित के अकाउंट में 498 करोड़ रुपये का मुनाफा दिखाया गया। मगर उक्त मुनाफे की रकम को निकालने का प्रयास किया गया तो वह पैसा नहीं मिला। बताया गया कि उक्त रकम को निकालने के लिए 50 लाख की और डिमांड की गई। तब उन्हें ठगी का अहसास हो गया। फिजुलखर्जी से जीवनभर बनाई दूरी, अब गंवा दी मोटी रकम- सूत्रों का कहना है कि पीड़ित ने जीवनभर फिजूलखर्ची नहीं की। अपने लिए कुछ महंगा सामान कभी नहीं खरीदा। परिवार वालों ने जो खरीद लिया, उसी में संतोष कर लिया। अब लालच में आकर मोटी रकम गंवा दी। इसी वजह से पीड़ित के सदमे में जाने की बात कही जा रही है। उधर परिवार वालों ने पीड़ित का मोबाइल भी कब्जे में लिया है, जिससे और रकम ना चली जाए। गूगल को भेजा गया पत्र, मांगी यूजर की जानकारी साइबर पुलिस की ओर से रिपोर्ट दर्ज करने के बाद बैंकों और गूगल के मुख्यालय को पत्र भेजे गए हैं। गूगल को पत्र भेजकर साइबर ठगी वाले एप और उक्त व्हॉट्सएप ग्रुप के यूजर की जानकारी मांगी गई है। लगातार किया जा रहा जागरूक -एएसपी सिटी एएसपी सिटी संजीव वाजपेयी ने बताया कि पुलिस लगातार लोगों को जागरूक कर रही है। तमाम अभियान चलाकर भी सचेत किया गया, फिर भी लोग शार्ट टर्म में मोटा मुनाफा कमाने के लालच में फंस रहे हैं। दो करोड़ की ठगी का केस दर्ज करते हुए जांच की जा रही है।

आठ साल से बगैर मान्यता संचालित हो रहा आवासीय मदरसा, जांच में पुष्टि के बाद भी नहीं किया गया सील; उठे सवाल

श्रावस्ती में आठ साल से बगैर मान्यता आवासीय मदरसा संचालित हो रहा है। एसडीएम और सीओ की जांच में पुष्टि होने के बाद भी इसे सील नहीं किया गया। इस पर सवाल उठ रहे हैं। जबकि अन्य स्थानों पर बगैर मान्यता व मदरसों पर ताबड़तोड़ यूपी के श्रावस्ती में इकौना से आवासीय मदरसा जामिया लिलबनात बगैर मान्यता बृहस्पतिवार को एसडीएम जांच करने पहुंचे। उन्होंने मदरसा बंद करने का लिखित बगैर सील किए छोड़ मान्यता व सार्वजनिक भूमि ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा विपरीत इकौना देहात में बगैर मदरसा जामिया नूरिया कार्रवाई न होना कई सवाल मदरसे का संचालन विगत सैयद सिराजुद्दीन हाशमी गुजरात की ओर से किया चला कि यहां 300 छात्राएं सीओ इकौना सतीश कुमार प्रकाश छापेमारी करने पहुंचे। प्रबंधक ने बताया कि स्थानीय व आसपास के लोगों से चंदा लेकर इस मदरसे का संचालित किया जाता है। यह मदरसा निजी भूमि गाटा संख्या 1354 में स्थित है। जांच में पता चला कि यहां 300 छात्राएं रहकर उर्दू व अरबी सहित हिंदी तथा अंग्रेजी आदि की शिक्षा ग्रहण करती हैं। प्रबंधक ने बताया कि वर्तमान में यहां शिक्षण कार्य नहीं किया जा रहा है। विद्यालय की मान्यता नहीं है। में परिवार सहित यहां रहता हूं। यहां आने वाले लोगों की दुआ करता हूं। बिना किसी विधिमान्य आदेश के मदरसा का संचालन नहीं करूंगा। मदरसे में अध्ययनरत छात्राओं को उनके घर भेज दिया गया है। 10 मई तक मदरसे में ताला लगा दूंगा। अंदर जाकर देखने पर मदरसे में छात्राओं के संदूक व अन्य सामान रखे थे। औपचारिकता पूरी नहीं करने पर मदरसों को किया जाएगा सील इस बारे में प्रबंधक ने बताया की छात्राओं को सूचना दी गई है। वह अपने परिजनों के साथ आकर अपने सामान ले जाएंगी। इस पर टीम मदरसे को सील किए बगैर वापस चली आई। प्रशासन की यह कार्रवाई कई सवाल पैदा कर रहे हैं। इस बारे में डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि अभी सार्वजनिक भूमि पर बने मदरसों को सील कराया जा रहा है। अन्य बगैर मान्यता संचालित मदरसों को नोटिस दी जा रही है। तय समय में यदि वह औपचारिकता पूरी नहीं कर पाते तो मदरसों को सील किया जाएगा।



सार्वजनिक भूमि पर बने कार्रवाई की जा रही है। देहात में विगत आठ वर्ष नूरिया फातिमा संचालित हो रहा है। एवं सीओ मदरसे की संचालक से 10 मई तक पत्र लिया। इसके बाद दिया।जिले में बगैर पर बने मदरसों पर रही है। वहीं इसके मान्यता संचालित फातिमा लिलबनात पर पैदा कर रहा है। इस आठ वर्ष से प्रबंधक निवासी ढबोई दोधरा जा रहा है। जांच में पता शिक्षा ग्रहण करती हैं के साथ एसडीएम ओम एसडीएम के पूछने पर

आगरा में दिनदहाड़े स्वर्णकार की गोली मारकर हत्या, एक्विटवा से आए हमलावर; इस रोड पर 10 दिन में दूसरी वारदात

सिकंदरा बोदला रोड पर बाइक सवारों ने 60 वर्षीय स्वर्णकार को गोली मार दी। लूट के दौरान स्वर्णकार बदमाशों से भिड़ गए। विरोध करने पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। आगरा के थाना सिकंदरा क्षेत्र के कारगिल चौराहे पर बालाजी ज्वेलर्स की चांदी के आभूषण लूट लिए। इस दौरान सराफ को गोली मार दी। इसके बाद बदमाश मौके से गई। सराफ को निजी अस्पताल ले जाया गया, थाना क्षेत्र के रामा एंक्लेव निवासी योगेश चौधरी से दुकान है। सुबह 10:00 बजे उनके कर्मचारी नकाबपोश बदमाश मौके पर आ गए। कर्मचारी रखकर भागने लगे। इस दौरान दुकान मालिक दिया। इस पर एक बदमाश ने तमंचा निकालकर फरार हो गए। पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है।



दुकान में बदमाशों ने धावा बोल दिया। यहां से सोने-भी बदमाशों से भिड़ गए। बदमाशों ने तमंचे से सराफ फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।सिकंदरा की कारगिल चौराहे के पास बालाजी ज्वेलर्स के नाम रेनु ने दुकान खोली थी। इसके 15 मिनट बाद ही दो रेनु को तमंचा दिखाकर बैग में सोने चांदी के जेवरात योगेश चौधरी आ गए। उन्होंने बदमाशों को टोक गोली मार दी। इसके बाद एक्विटवा पर सवार होकर निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने उन्हें

हाथरस सत्संग हादसा- चल रही आरोपों पर बहस, स्थगन प्रार्थना पत्र के कारण नहीं हुई सुनवाई, अब मिली तारीख 15 मई

सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि के 2 जुलाई 2024 को सिकंदराराऊ के फुलरई मुगलगढ़ी में आयोजित सत्संग में भगदड़ मच गई थी। भगदड़ हो जाने से 121 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें आरोपियों के विरुद्ध 3200 पेज का आरोप पत्र दाखिल कर दिया आरोपी देव प्रकाश मुधकर, मेघ सिंह, मुकेश कुमार, मंजू देवी,मंजू दलबीर सिंह को आरोप पत्र में आरोपी बनाया है। सत्र न्यायालय



मामले में आरोपों पर बहस चल रही है। न्यायालय में इस मामले में बचाव नहीं हो पाई। अब इस मामले में 15 मई मई को सुनवाई होगी।इल्लेखनीय है सिकंदराराऊ के फुलरई मुगलगढ़ी में आयोजित सत्संग में भगदड़ मच गई करीब 250 लोग घायल हुए थे। न्यायालय में पुलिस ने इस मामले में 11 है। इस मामले में पुलिस ने 676 गवाह बनाए हैं।पुलिस ने इस मामले में मुख्य यादव, राम लड़ेते, उषेंद्र सिंह,संजू कुमार, राम प्रकाश शाक्य, दुर्वेश कुमार, में इस मामले में सुनवाई के लिए 2 मई की तिथि नियत थी

संक्षिप्त समाचार

पीलीभीत में भीषण सड़क हादसा-ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई कार, भाई-बहन समेत तीन बरातियों की मौत, पांच घायल



पीलीभीत जिले में शादी समारोह में जा रहे लोगों की कार ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। हादसे में मासूम भाई-बहन समेत तीन की मौत हो गई। पांच लोग घायल हो गए। पीलीभीत के पूरनपुर क्षेत्र में घाटमपुर गांव के पास बृहस्पतिवार की रात भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां ट्रैक्टर-ट्रॉली से बरातियों की कार टकरा गई। हादसे में मासूम भाई-बहन समेत तीन बरातियों की मौत हो गई। पांच लोग घायल हुए हैं। हादसे की खबर सुनकर शादी समारोह में आए मेहमान स्तब्ध रह गए। वहीं मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। पूरनपुर क्षेत्र के गांव रम्पुरा फकीरे निवासी बहादुर सिंह (50) अपने परिवार के साथ मोहब्बतपुर गांव स्थित शादी समारोह में शामिल होने कार से जा रहे थे। कार में परिवार के सात लोग सवार थे। इनमें चार छोटे बच्चे भी शामिल थे। देर रात घाटमपुर गांव के पास पहुंचते ही कार की ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिड़त हो गई। हादसे में बहादुर सिंह की मौके पर मौत हो गई थी। ये लोग हुए थे घायल परिवार के पंकज सिंह (16 वर्ष) पुत्र कृपाल सिंह, रिषभ (7 वर्ष) पुत्र तेजू, सुनहरी (5 वर्ष) पुत्री तेजू, अनिकेत (5 वर्ष) पुत्र कृपाल सिंह, अंकित (8 वर्ष), शंकुतला देवी (25 वर्ष) पत्नी तेजू, तेजू (27 वर्ष), सोनी देवी (28 वर्ष) पत्नी कृपाल सिंह व एक अन्य घायल हो गए। सूचना पर कोतवाली पुलिस पहुंच गई। घायलों को सीएचसी पूरनपुर लाया गया। जहां चिकित्सकों ने बहादुर सिंह को मृतक घोषित कर दिया। जबकि पंकज सिंह, रिषभ और सुनहरी को गंभीर हालत में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां देर रात रिषभ और सुनहरी की मौत हो गई। पंकज की हालत गंभीर बताई गई है। मासूम भाई-बहन की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

गोरखपुर में सनसनीखेज वारदात- सिरफिरे ने दो बहनों को गोली मारने के बाद खुद को उड़ाया, अस्पताल में तीनों भर्ती



उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के सिविल लाइन क्षेत्र में सिरफिरे ने घर में घुसकर दो बहनों को गोली मारने के बाद खुद को भी गोली से उड़ाया। घटना के समय भाई अ म न यादव बाहर परीक्षा देने गया था। बताया जा रहा है कि सिरफिरा बड़ी लड़की से एकतरफा प्यार करता था। घटना शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे की बताई जा रही है। सिविल लाईस में स्थित आवास में दो बहनें पूजा यादव पुत्री अनंत कुमार यादव निवासी सिविल लाईस व नैसी यादव को सिरफिरे मनदीप यादव, निवासी ग्राम खड़ीहीना आजमगढ़ ने गोली मारी। बताया जा रहा है कि पूजा यादव से शादी करना चाहता था। परिवार वालों ने पूजा की शादी कहीं और तय कर दी थी। जिस कारण वह नाराज था। शुक्रवार को मनदीप यादव आया और दोनों बहनों को गोली मार दी। बाद में खुद को भी गोली मार ली। तीनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल जनपद गोरखपुर में भर्ती कराया गया है।

बाद हंगामा होने लगा। सूचना पर पुलिस पहुंची ने दोनों पक्षों को समझाकर शांत किया। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि गांव की मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए 300 से अधिक नमाजी आते हैं। वापस जाते समय यह रास्ता घेरकर चलते हैं, इनमें कुछ युवक स्टंट के साथ हुड़दंग मचाते हैं। पिछले शुक्रवार को गांव निवासी एक युवक को नमाज पढ़कर जा रहे युवक की बाइक की टक्कर लग गई थी। वहीं गांव में नमाज के लिए पहुंचे इमामुद्दीन ने बताया कि आसपास में कोई मस्जिद नहीं है। नमाज के लिए घोपला गांव की मस्जिद में जाते हैं। नमाजी तहजीब के साथ नमाज पढ़कर वापस लौट जाते हैं इंस्पेक्टर दिलीप सिंह बिष्ट ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा तहरीर दी गई है। जांच कर कार्रवाई कराई जाएगी।

Sweet potato tikki is a wonderful combo of health and taste, definitely eat it in summers; the method of making it is easy

Sweet potato is also known as sweet potato. These are not only tasty but are also considered a very healthy option for the body in summers. If you want, you can eat it by boiling and roasting it or in the form of tikki. Next time whenever you feel like eating something healthy and tasty, definitely try sweet potato tikki. They are also very easy to make. Sweet potato must be eaten in summers. Sweet potato is a root vegetable. It contains essential nutrients. Summer has started. In this season, special care has to be taken of food. It is common to have many health problems in this season. In such a situation, people who feel like eating something spicy and tasty, they are not able to eat it these days. However, there are some things that even if you deep fry them, they will still benefit you. Provided, you are eating in limited quantity. Yes, sweet potato is the only thing that can satisfy your craving. We also call it Sweet Potato in English. It may be sweet in taste but it provides tremendous benefits to our body. It is a very nutritious vegetable. Vitamins, minerals and antioxidants are found in abundance in it. Therefore, eating it can prove to be very beneficial for your health. Today we are going to tell you an easy way to make sweet potato tikki. Let's know in detail- Ingredients Sweet potato - 3 to 4 medium size (boiled) Boiled potato - 1 (optional) Green chili - 1 to 2 finely chopped Ginger - 1 teaspoon grated Coriander leaves - finely chopped Rock salt or normal salt - according to taste Lemon juice - 1 teaspoon Cumin powder - 1/2 teaspoon Black pepper powder - 1/4 teaspoon Chat masala - 1/2 teaspoon (optional) Ghee or oil - for baking tikki Method of preparation First of all, peel the boiled sweet potato and mash it well. If you want, you can also add boiled potato to it so that there is good binding in the tikki. Now add green chili, ginger, coriander leaves, spices, lemon juice and salt to it. Prepare in the shape of tikki. After this, heat light ghee or oil on a non-stick pan and bake the tikkis till they become golden on both sides. If you want, serve them with curd, green chutney or tamarind chutney. It is beneficial to eat in every way. Benefits of eating sweet potato in summer The carbohydrates present in sweet potato remove fatigue and lethargy in summer. Eating it improves digestion. It also provides relief from problems like constipation. The nature of sweet potato is considered to be cooling. It cools the body and helps in protecting from heat stroke. Vitamin A, C and E present in it keep the skin hydrated and glowing.



Make 5 natural lip scrubs at home to get soft and pink lips, pigmentation will also go away

Regular scrubbing is necessary to enhance the beauty of the lips. Instead of chemical lip scrubs available in the market, you can use lip scrubs made from natural things at home. Here we are telling you about 5 easy and effective lip scrubs which will make your lips very soft. Lip scrub is necessary to remove dead cells of the lips. Some lip scrubs also help in removing pigmentation of the lips. Due to lip pigmentation, lips start looking black. Lips play an important role in enhancing the beauty of our face. But due to sunlight, pollution and dehydration, lips become dry, black and cracked. Regular scrubbing is necessary to keep them soft and pink. In such a situation, instead of chemical lip scrubs available in the market, you can use lip scrubs made from natural things at home. Here we are telling you about 5 easy and effective lip scrubs (Natural Scrubs for Soft Lips), which will make your lips very soft. Sugar and honey scrub Sugar is a natural exfoliant, which removes dead skin from the lips, while honey has moisturizing properties. Ingredients- 1 teaspoon sugar 1 teaspoon honey 1/2 teaspoon coconut oil Method of preparation- Mix sugar, honey and coconut oil in a bowl. Massage this mixture on the lips for 2-3 minutes with light hands in circular motion. Leave it on for 5 minutes, then wash with lukewarm water. Use 2-3 times a week. Coffee and milk cream scrub Coffee contains antioxidants, which remove blackness of the lips, while milk cream makes the lips soft. Ingredients- 1 teaspoon coffee powder 1 teaspoon milk cream 1 teaspoon brown sugar Method of preparation- Mix all the ingredients and make a paste. Scrub on the lips for 2 minutes. Wash after 10 minutes. Use twice a week. Rose water and almond oil scrub Rose water makes the lips fresh and soft, while almond oil nourishes them. Ingredients- 1 tsp almond oil 1 tsp rose water 1 tsp oatmeal powder Method of preparation- Mix all the ingredients and make a paste. Massage on the lips for 3-4 minutes. Wash off after 5 minutes. Apply 3 times a week. Cocoa powder and curd scrub Cocoa powder has exfoliating properties and curd moisturizes the lips. Ingredients- 1 tsp cocoa powder 1 tsp curd 1/2 tsp olive oil Method of preparation- Mix all the ingredients and make a paste. Apply on the lips for 2 minutes. Wash off after 10 minutes. Use 2 times a week. Aloe vera and lemon scrub Aloe vera hydrates the lips and lemon juice removes blackness. Ingredients- 1 tsp aloe vera gel 1/2 tsp lemon juice 1 tsp brown sugar Method of preparation- Mix all the ingredients and make a paste. Scrub on the lips for 1-2 minutes. Wash off after 5 minutes. Use 2 times a week.



To get rid of frizziness, apply 5 hair masks made of curd, hair will get natural shine

Hair masks made of curd are the best to get rid of frizziness of hair. These masks make hair strong and give them natural shine. Lactic acid present in curd also helps a lot in cleaning the scalp. Let's know 5 hair masks made of curd for smooth hair (DIY Curd Hair Masks). Hair becomes smooth with the use of curd Lactic acid also cleans the scalp Curd hair masks also give natural shine to the hair To get shiny, soft and strong hair, using natural ingredients instead of chemical products is a better option. Curd (DIY Curd Hair Masks) is one such thing, which is beneficial for hair health in many ways. The proteins, lactic acid, vitamins and minerals present in curd protect the hair from damage, remove dandruff and make the hair soft and shiny. Let's know about 5 hair masks made from curd (Curd Hair Masks for Shiny Hair), which help in making hair smooth. Curd and honey hair mask benefits- Gives deep conditioning to the hair. Reduces dryness and frizziness. Maintains moisture in the hair. Ingredients- 2 tsp curd 1 tsp honey Method of preparation- Make a paste by mixing curd and honey. Apply this paste from the roots to the ends of the hair. Wash off with a mild shampoo after keeping it for 30 minutes. Curd and aloe vera hair mask benefits- Hydrates the scalp. Reduces hair fall. Gets rid of dandruff. Ingredients- 3 tsp curd 2 tsp aloe vera gel Method of preparation- Mix curd and aloe vera gel and apply on hair. Wash off after 45 minutes. Using it twice a week will improve hair growth. Curd and lemon hair mask benefits- Cleans the dirt of the scalp. Provides relief from dandruff and itching. Gives natural shine to the hair. Ingredients- 4 teaspoons curd 1 teaspoon lemon juice Method of preparation- Mix lemon juice in curd and apply it thoroughly on the scalp. Wash it off after 20 minutes. Apply this mask once a week. Curd and Egg Hair Mask Benefits- Provides protein to the hair. Makes hair strong and thick. Repairs hair follicles. Ingredients- 2 teaspoons curd 1 egg Method of preparation- Beat the egg and mix it in curd and apply it on hair. Wash it off with cold water after 30-40 minutes. Curd and Olive Oil Hair Mask Benefits- Gives deep nourishment to the hair. Reduces split ends. Increases hair shine. Ingredients- 3 teaspoons curd 1 teaspoon olive oil Method of preparation- Mix curd and olive oil and apply it on hair. Wash it off with shampoo after 1 hour.



Smiling face, drink in hand, this viral picture of Rishi Kapoor; Your eyes will also become moist along with Neetu Singh

Late actor Rishi Kapoor still lives in the hearts of people. Cinema lovers can never forget his brilliant characters. Neetu Kapoor has now shared a picture of her husband. After seeing which his fans got emotional. Let's know what the actress has written with this post. Neetu Kapoor shared an unseen picture of Rishi Kapoor. The actor was seen holding a drink in his hand in the photo. Social media users got emotional after seeing the picture. There are some selected actors in Hindi cinema, whose departure from the world is still not believed by cinema lovers. Rishi Kapoor's name is also included in these. Yesterday i.e. on 30th April, on the 5th death anniversary of the actor, everyone including his fans remembered him. Actress Neetu Kapoor also posted a post remembering her husband, which is going viral on social media. Apart from the film world, Ranbir Kapoor's mother Neetu Kapoor is also active on social media. It is said that pictures leave a deeper impact than what is said in words. The facial expressions of the person seen in the photo say a lot. Then why not the smile on the face. Neetu Kapoor shared a picture of late husband Rishi Kapoor, after seeing which the fans also became emotional. What did Neetu Kapoor write with the picture? Actress Neetu Kapoor shared an old picture of Rishi Kapoor on Instagram story. Actually, this is a selfie, in which he is seen with a drink in his hand and a smile on his face. With this picture, the actress wrote, 'Miss you Kapoor sahab.' This post of the actress is becoming fiercely viral on social media. Kapoor sahab's fans have also become emotional after seeing this picture. Let us tell you that even before this, the actress has shared unseen pictures of Rishi Kapoor. Well, this time her post has become the most discussed. Earlier, Neetu Kapoor had shared a black and white picture with her husband in the beginning of April. Along with this, she informed that on this day in the year 1979, she got engaged to Rishi Kapoor. Actually, through this photo, she refreshed the memories of her engagement.



'Not useless publicity...' Hunar Hali became a victim of wardrobe malfunction publicly, said- 'I had refused'

A video of wardrobe malfunction of famous TV actress Hunar Hali is going viral on social media. Now the actress has criticized the paparazzi page who shared the video on his social media page despite being forbidden. The actress said that this was an unexpected incident and it was made viral unnecessarily by focusing incorrectly. Video shot without permission. Actress said - did not listen to me. Hunar is a popular TV actress. Popular television actress Hunar Hali had gone to her friend Sara Arfeen's house recently. The actress was fixing her dress when the paps captured her in their camera. This video of her went viral very fast. Video made without my consent. On one hand, while some people were seen criticizing the paps for making such videos viral. At the same time, some called it a publicity stunt. Now Hunar has given a befitting reply to the trolls. Hunar told ETimes that the video was shot without her consent and later unnecessarily sensationalised. The actress said, "It is a human element and such unexpected events happen every day. It is wrong to capture and circulate such videos without my consent. It was the paparazzi's personal decision to focus and unduly focus on my body. What was the incident? One cup of the halter top came out, that's all, but it was unnecessarily sensationalised." The manager had requested to delete the video. The 12/24 Karol Bagh fame actress questioned why the paps posted it on their page if they felt it was an oversight. She also revealed that her manager requested several media and pap pages to remove the video from their social media handles, and they did. However, despite asking some people, they did not remove it. Actress trolled paps. Hunar said that if I had to do all this only for publicity, then why would I remove it from social media? My fans have seen my work. I have never done anything bold like this on screen. I am Hunar Hali, who has never done on-screen or off-screen nudity. This is why my fans supported me and criticized the paps for posting the video. Hunar Hali has been working in the television industry for almost two decades. She has been a part of some of the most popular TV serials including Sasural Genda Phool, Thapki Pyar Ki, Patiala Babes, Chhuna Hai Aasman, etc.



Jaat's 'Somulu' is going to have a little guest, Vineet Kumar Singh shared photos with his pregnant wife

Actor Vineet Kumar Singh, who rocked the screen as poet Kalash in Laxman Utekar's Chhava and villain Somulu in Sunny Deol's Jaat, is soon going to be two from three. The actor has recently shared many beautiful pictures with his wife on social media, in which his wife's baby bump is visible. Chhava actor Vineet Kumar Singh is going to become a father. Actor shared beautiful pictures with his wife. He was seen in this role in Jaat movie. Actor Vineet Kumar Singh, who started his career with the film 'Mukhabaaz' in the year 2018, needs no introduction today. On the strength of his acting, he has established himself in the film industry. His last two released films have received immense love from the audience. In the film 'Chhava' released in February, the actor won everyone's heart with his style of reciting poetry as 'Kavi Kalash'. In his film 'Jaat' released this month, the actor played the role of Randeep Hooda's younger brother 'Somulu', who is a dreaded villain in Sunny Deol's film. Happiness has now knocked in the personal life of Vineet Kumar, who is continuously touching the heights of success in his professional life. The actor is soon going to be two from three, the happiness of which he shared with the fans with some love-filled pictures. We are ready to welcome you. Chhava's Kavi Kalash aka Vineet Kumar Singh posted a photo on his official Instagram account, sharing information about the little guest coming in his life. In the first photo, while he is holding his hand on the baby bump of his wife Ruchira Singh, in another photo, the actor's wife in a bodycon dress is looking at her belly with great love, keeping her hand on it. In another photo, Vineet is holding his hand on his wife's baby bump. He has shared a whole series of photos with Ruchira on Instagram. While sharing these pictures, Vineet Kumar Singh wrote in the caption, "God's blessing with a new life and the love of the universe, baby is coming soon. Namaste, Little One, we are all set to welcome you". Fans and stars showered love on Vineet Kumar's pictures. As soon as the Jaat actor shared this happiness with his fans on social media, there was a flood of congratulations in the comment box. Stars also congratulated the actor for this happiness coming in his life. Kapil Sharma Show's famous Gulati aka Sunil Grover wrote, "Congratulations and with this he shared a balloon emoji". Apart from this, 'Breathe' actor Amit Sadh wrote, "This is the biggest news". Jewel Thief actor Kunal Kapoor wrote, "Many congratulations my friend". Apart from these stars, many stars including director Zoya Akhtar, actor Raghav Juyal, actress Riddhi Tiwari, Akanksha Singh congratulated him.

